



गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

विकास पथ, गाजियाबाद।

पत्रांक : 326/माप्लान ओपय/17

दिनांक : 22.12.17

मानचित्र संख्या : 232/जोन-4/2017

मानचित्र स्वीकृति पत्र

सेवा में,

मैसर्स भगवती कान्स्ट्रक्शन
अधिकृत हस्ताक्षरी श्री रवि कान्त सिंघल
निवासी-जी-195/196, प्रशान्त विहार,
दिल्ली-110085।

समस्त प्रकार के गलत / स्ट्रक्चर का सुरक्षा हेतु
विभिन्न स्तरों पर समस्त दीवारों के ऊपर
आर0सी0सी0 टाई कीम डालना उचित/आवश्यक
है। जो डी0पी0सी0 लेवर सिस्टम व प्रत्येक छत
के नीचे डाले जाये।

महोदय,

आप द्वारा भूखण्ड संख्या-पी/सी0एस0-1ए, सैक्टर-12, प्रताप विहार, गाजियाबाद पर व्यवसायिक/सुविधाजनक दुकाने हेतु प्रस्तुत मानचित्र प्रस्ताव पर उपाध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक 19.09.17 को निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृति प्रदान की गयी है:-

**विद्युत नियमों के अनुसार सुरक्षित दृष्टि
कोडर ही निर्माण कार्य किया जायेगा।**

1. यह मानचित्र स्वीकृति की तिथि से केवल पांच वर्ष तक वैध है।
2. मानचित्रों की इस स्वीकृति से किसी भी शासकीय विभाग स्थानीय निकाय (जैसे नगर पालिका, जी0डी0ए0) अथवा किसी अन्य व्यक्ति का अधिकार तथा स्वामित्व किसी प्रकार से प्रभावित नहीं होता है। भूमि सम्बन्धी विवाद की स्थिति में मानचित्र की स्वीकृति स्वतः निरस्त मानी जायेगी।
3. भवन मानचित्र जिस प्रयोजन हेतु स्वीकृत कराया गया है उसी प्रयोग में लाया जायेगा।
4. बिजली की लाईन से निर्धारित सीमा के अन्दर एवं भवन उपविधि के नियमों के अनुसार निर्माण कार्य किया जायेगा।
5. सड़क सर्विस लेन अथवा सरकारी भूमि पर कोई निर्माण सामग्री (बिल्डिंग मैटीरियल) नहीं रखी जायेगी तथा गंदे पानी की निकासी का पूर्ण प्रबन्ध स्वयं करना होगा।
6. स्वीकृत मानचित्रों का एक सैट स्थल पर रखना होगा ताकि उसकी मौके पर कभी भी जांच की जा सके तथा निर्माण कार्य स्वीकृत मानचित्रों स्पेशीफिकेशन नियमों के अनुसार ही कराया जायेगा तथा भवन के स्वामित्व की भी जिम्मेदारी उन्हीं की होगी।
7. यह मानचित्र उ0प्र0 नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की धरा-15 के अन्तर्गत किसी अन्य शर्त के साथ स्वीकार किये जाते हैं तो वह शर्त भी मान्य होगी।
8. सड़क पर अथवा लेन में निर्धारित से अधिक कोई रेम्प नहीं बनाये जायेंगे। यह कार्य अपनी ही भूमि पर करेंगे।
9. सुपरविजन एवं स्पेशीफिकेशन की नियम/शर्तों का पालन करना होगा।
10. प्रस्तुत शपथ पत्र दिनांक 24.07.2017 का पालन करना होगा।
11. प्रस्तावित भवन में रूफ टाप रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था को सुनिश्चित किये जाने हेतु रु. 2,00,000/- की जमानत राशि की एफ.डी.आर. संख्या- यू 04032348077 दिनांक 26.10.17 एक्सिस बैंक शाखा- प्रशान्त विहार नई दिल्ली की जमा करायी गयी है, जो कि भवन सम्पूति प्रमाण पत्रा निर्गत करने के समय रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के निर्माण एवं यथोचित संचालन की पुष्टि होने के उपरान्त अवमुक्त की जायेगी।

स्थल पर एक बोर पर स्वीकृत मानचित्रों को
सुरक्षा के निमित्त लिफ्टा आदिवाह होगा।

12. भवन की स्ट्रक्चरल सेफ्टी डिजाईन व ड्राईंग एवं भूकम्परोधी होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र श्री मकसुद-ए-नजर (स्ट्रक्चरल इंजीनियर) का प्रस्तुत किया गया है।
13. मुख्य अग्निशमन अधिकारी द्वारा प्रदत्त अनापत्ति प्रमाण-पत्र संख्या- 44/डी.डी/फा0स0/ मेरठ-17(गाजि0)/1522/794 दि0 12.11.17, में उल्लेखित शर्तों का अनुपालन करना होगा।
14. प्रदूषण विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
15. भू-स्वामित्व सम्बन्धी अथवा अन्य किसी प्रकार के वाद-विवाद की स्थिति में मानचित्र पर दी गयी स्वीकृति स्वतः निरस्त मानी जायेगी एवं भवन उपयोग से पूर्व भवन सम्पूति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।
16. अधिष्ठान एवं उसमें कार्यरत श्रमिकों का श्रम विभाग में नियमानुसार पंजीयन कराया जाना आवश्यक होगा।
17. बेसमेन्ट की खुदाई से पूर्व खनन विभाग की अनापत्ति प्राप्त करनी होगी।
18. बेसमेन्ट एवं भवन निर्माण के समय सुरक्षा व्यवस्था का प्रबन्ध सुनिश्चित करना होगा, निर्माण के कारण स्थल पर किसी भी प्रकार की क्षति एवं दुर्घटना के लिए निर्माणकर्ता स्वयं जिम्मेदार होगा।
19. स्थल पर निर्माण कार्य मानचित्र निर्गत के उपरान्त ही प्रारम्भ किया जायेगा।
20. जल दोहन के सम्बन्ध में सैन्ट्रल ग्राउण्ड वाटर अथॉरिटी की अनापत्ति निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्राप्त करनी होगी।
21. निर्माणाधीन अवधि में निर्माण स्थल पर धूल से बचने हेतु समुचित कवर का प्राविधान किया जायें, निर्माण सामाग्री के परिचालन एवं उनके उपयोग की अवधि में निर्माण सामाग्रियों पर पानी का छिड़काव किया जायें एवं डस्ट सस्पेंशन यूनित का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जायें। इसके साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जायें कि निर्माण सामाग्रियों को ले जाने हेतु ढके हुए वाहनों का प्रयोग किया जायें।
22. मा0 एन0जी0टी0 द्वारा पारित निम्न दिशा निर्देशों का निर्माण स्थल पर अनुपालन करना होगा:-
 - i. Every builder/owner shall put tarpaulin on scaffolding around the area of construction and the building. No person including builder, owner can be permitted to store any construction material particularly sand on any part of the street, roads in any colony.
 - ii. The construction material of any kind that is stored in the site will be fully covered in all respects so that it does not disperse in the air in any form.
 - iii. All the construction material and debris shall be carried in the trucks or other vehicles which are fully covered and protected so as to ensure that the construction debris or the construction material does not get dispersed into the air or atmosphere, in any form whatsoever.
 - iv. The dust emissions from the construction site should be completely controlled and all precautions taken in that behalf.
 - v. The vehicles carrying construction material and construction debris of any kind should be cleared before it is permitted to ply on the road after unloading of such material.
 - vi. Every worker working on the construction site and involved in loading, unloading and carriage of construction material and construction debris shall be provided with mask to prevent inhalation of dust particles.
 - vii. Every owner and/or builder shall be under obligation to provide all medical help, investigation and treatment to the workers involved in the construction of building and carry of construction material and debris relating to dust emission.
 - viii. It shall be the responsibility of every builder to transport construction material and debris waste to construction site, dumping site or any other place in accordance with rules and in terms of this order.
 - ix. All builders/owners should take appropriate measures and strictly comply with by fixing sprinklers and creations of green air barriers on construction site. Compulsory use of wet-jet in grinding and stone cutting.
 - x. Wind breaking walls around construction site.
 - xi. All builders shall ensure that C&D waste is transported and disposed to the C&D waste site only and due record in that behalf shall be maintained by the builders and transporters.

- xii. Use of covering sheets should be done for trucks to prevent dust dispersion from the trucks, implemented by district offices.
- xiii. Proponent shall ensure that periodical auto maintenance report from the contractor to avoid vehicular pollution.
- xiv. Proponent should manage transportation route for vehicles in a well-planned manner to avoid traffic havocs.
- xv. The entry and exit points design is very important as it should not disturb the existing traffic.
- xvi. Inspection & Maintenance has definite utility on emission performance, Regular vehicle inspection to be done by the contractor to enhance the efficiency of work and to reduce the risk of unwarranted air pollution.
- xvii. Fitness certification is a statutory requirement for commercial vehicles and public transport vehicles. Periodicity for certification is once in a Year.
- xviii. Pollution Under Control (PUC) certificates are required to be obtained every three months for all categories of vehicles. In case of diesel vehicles, free acceleration smoke is measured.
- xix. Life of vehicle should be inspected to avoid further air pollution.
- xx. Overloading is another big challenge and the shall be dealt by the proponent as well as State Authorities by installing check booth at entry points.
- xxi. Viable emission control technologies exist to reduce diesel exhaust emissions designed to control particulate matter (PM) should be installed/used such as Diesel oxidation catalysts (DOCs), Diesel particulate filters (DPFs), Exhaust gas recirculation (EGR), Selective catalytic reduction (SCR), Lean Nox catalysts (LNCs), Lean NOx traps (LNTs).
- xxii. Green belt creation will also act as a mitigating factor.

उपरोक्त शर्तों का पालन न करने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त माना जायेगा।

संलग्नक: एक सैट स्वीकृत मानचित्र।

पत्रांक: /एम0पी0/

प्रतिलिपि : प्रवर्तन खण्ड जोन-4 को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

दिनांक:

मुख्य नगर नियोजक
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
गाजियाबाद

मुख्य नगर नियोजक